दिल्ली पब्लिक स्कूल जम्मू
सत्र -21-22
अभ्यास कार्य-2

विषय हिंदी

कक्षा नवी

1. प्रस्तुत गद्यांश को पढ़िए और उचित विकल्पों का चयन करके उत्तर दीजिये –

गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरुक बनाने का प्रयत्न किया। इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए। गांधी जी ने ऐसा क्यों किया? इसलिए कि वे मानव-मानव के बीच काले-गोरे, या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना प्रयाप्त नहीं समझते थे, वरन उनके बीच एक मानवीय स्वभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का संबंध भी स्थापित करना चाहते थे।

इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा और व्यापक रुप दिया विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती। पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो। ऐसा गांधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सदभावना , स्नेह-सौहार्द आदि गुण मानवता रूप टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते हैं।

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का क्या कारण था?

क) निर्धनता धनिकता पर आधारित भेदभाव

ख) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव

ग) धार्मिक भिन्ता पर आश्रित भेदभाव

घ) विदेशी होने से उत्पन्न मन-मुटाव

2. गांधी जी अफ्रीकावासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य क्या स्थापित करना चाहते थे?

क) सहज प्रेम एवं सहयोग की भावना

ख) पारिवारिक अपनत्व की भावना

ग) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव

घ) विश्वबंधुत्व की भावना

3. भारत में गांधीजी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस पर आधारित था?

क) संगठन की भावना पर

ख) नैतिक मान्यताओं पर

ग) राष्ट्रीयता के विचारों पर

घ) शांति की सदभावना पर

4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है –

क) उनकी सुंदरता पर

ख) उनकी कोमलता पर

ग) उनके अपनत्व पर

घ) उनके कायिक प्रभाव पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

क) अफ्रीका में गांधी जी

ख) प्रवासी भारतीय और गांधी जी

ग) गांधी जी की नैतिकता

घ) गांधी जी और विदेशी शासन

प्रश्न 2 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग कीजिए- सध्या, पाचवा, ऊचा, सिहवाहिनी, मुह, बाटना , दभ, रेलगाड़िया, बारीकिया, चादनी, भागो, लाघना, किताबे, लिग, अनत , मतग

प्रश्न 3 निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए-

विशालकाय, सम्मानपूर्ण, उपलब्धि द्रवित, कृतज्ञतापूर्वक विशालकाय, ,**जलाशयों, चट्टानें**

प्रश्न 4 निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए-

परिस्थिति, अदृश्य ,आमोदित महानदी प्रहार, राजद्रोही

प्रश्न 5 उत्पत्ति **के आधार पर हिंदी में शब्द के..... भेद हैं-**

क) 6

ख) 4

ग) 5

घ) 2

<u>निम्न शब्दों में से कौन-सा शब्द 'रूढ़'</u> है।

क) **गाय**

ख)**लंबोदर**

ग) **राष्ट्रपति**

घ) **अजातशत्रु**

"अमृत' शब्द का तद्भव शब्द होगा - *

क) रस

ख).अमिय

ग) मीठा

घ).अहेर

शब्दों का वर्गीकरण..... आधारों पर किया जाता है।

क) 5

ख) 4

ग) 3

घ) 6

प्रयोग के आधार पर शब्द के भेद –

क) तत्सम

ख)विदेशी

ग) विकारी

घ)पर्यायवाची

– अर्थ के आधार पर शब्दों के कितने भेद हैं?

क) 4

ख) 7

ग) 6

घ) 5

प्रश्न 6- निम्नलिखित काव्यांश को पढ़ते हुए पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए-

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय।

टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय॥

रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहै कोय॥
चित्रकूट में रमि रहे, रहिमन अवध-नरेस।
जा पर बिपदा पड़त है, सो आवत यह देस॥
दीरघ दोहा अरथ के, आखर थोरे आहिं।
ज्यों रहीम नट कुंडली, सिमिटि कूदि चढ़ि जाहिं॥
धनि रहीम जल पंक को लघु जिय पियत अघाय।
उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिआसो जाय॥
रहिमन निज संपति बिन, कौ न बिपति सहाय।
बिनु पानी ज्यों जलज को, नहिं रवि सके बचाय॥
एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय।
रहिमन मूलहिं सींचिबो, फूलै फलै अघाय॥

– रहीम ने प्रेम के बंधन को किसकी तरह कहा है?

क) तार

ख) धागे

ग डोरी

घ) सूत

रहीम दूसरों से क्या छुपा कर रखने को कहते है?

क) दुःख

ख) धागा

ग मजाक

घ) इनमें से कोई नहीं

रहीम ने एक समय में कितने काम करने को कहा है?

क) चार

ख दो

ग एक

घ) तीन

चित्रकूट में कौन रहने गए थे?

क) रहीम

ख) राम

ग कृष्ण

घ) इनमें से कोई नहीं

रहीम के दोहे कैसे होते है?

क) लम्बे

ख)बिना अर्थ के

ग कम शब्द के

घ) कम शब्दों में अधिक अर्थ बताने वाले

किसके जल को धन्य कहा गया है?

क) कीचड़

ख) सागर

ग नदी

घ) तालाब

किसके जल को व्यर्थ कहा गया है?

क) कीचड़

ख) सागर

ग) नदी

घ) तालाब